राष्ट्रीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिवस
मध्य प्रदेश विज्ञान सभा

पत्रिका BHOPAL TUESDAY 21/08/2018
PLUS

INSIDER...

साइंस सेंटर

फोटो से भभूत और नारियल में आग का जाना विज्ञान

city भास्कर BHOPAL, TUESDAY, 21/08/2018 . 18

केरल में आई बाढ़ भी इंसान के किए गए असंतुलित विकास का परिणाम है

राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस पर यह बात इग्नू के पूर्व निदेशक प्रो. तिवारी ने कही

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

मध्यप्रदेश विज्ञान सभा एवं आंचलिक विज्ञान केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अलग-अलग स्कूल-कॉलेज के 238 स्टूडेंट्स, टीचर्स और विज्ञान संचारकों द्वारा वैज्ञानिक नजरियों को आमजन तक पहुंचाने कि शपथ ली गई। प्रदेश के 17 जिलों में एक साथ विज्ञान संचारकों के द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रो. के एस तिवारी पूर्व निदेशक इग्नू ने बताया

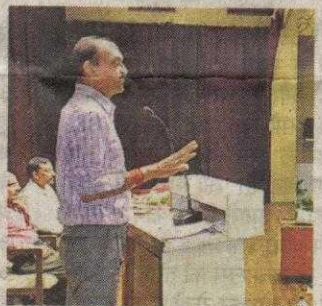

द्वारा किए गए असंतुलित विकास का परिणाम है, हमें अपने आसपास कि घटनाओं का अवलोकन, तथ्य एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर

अजिता बाटव द्वारा अंधविश्वास पर आधारित प्रदर्शनी और उनके पीछे छिपे वैज्ञानिक तथ्यों कि जानकारी प्रयोगों द्वारा दी। इसमें नारियल में आग निकलना, हवन में आग, पीलिया का इलाज, भभूत का फोटो से निकलना एवं अन्य गतिविधियों मे छिपे वैज्ञानिक तथ्यों को उजागर किया।

मध्यप्रदेश विज्ञान सभा के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. यू एस शर्मा ने कहा कि हमारे समाज का विकास एवं विज्ञान, कृषक और कृषि व्यवस्था पर पूरी तरह निर्भर है। जितनी मात्रा में हम मिट्टी से तत्वों को लेते हैं, उतना वापस भी

पीपुल्स समाचार
भोपाल, मंगलवार 21 अगस्त 2018 12

अंधविश्वास दूर करने एक्सपर्ट ने बच्चों को प्रयोग करके दिखाए

यंग रिपोर्टर • आईएम भोपाल
iambhopalofficial@gmail.com

आंचलिक विज्ञान केंद्र सभाग्रह में मध्य प्रदेश विज्ञान सभा और आंचलिक विज्ञान केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत ज्ञान विज्ञान समिती से आशा मिश्रा और समाज वैज्ञानिक श्याम बोहरे, मंगेश कुमार मानकर, हरिशचन्द्र अहिरवार, रंजन कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर रोज एगिल कान्वेन्ट स्कूल, ज्ञान चेतना स्कूल, ज्ञान ज्योती स्कूल और एलनसीटी कालेज एनएसएस समूह के 238 विद्यार्थीयों, शिक्षक, और विज्ञान संचार को वैज्ञानिक नजरियों को सभी तक पहुंचने की कोशिश की। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के 17 जिलो मे एक साथ विज्ञान संचार के द्वारा राष्टीज्य विज्ञान दृष्टीकोण दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पहले सत्र में पूर्व निर्देशक इग्नू के प्रोफेसर केएस तिवारी ने बताया कि केरल मे आई बाढ़ भी हम सब के द्वारा किए गए असंतुलित विकास का परिणाम है।

नारियल से निकाल कर दिखाई आग

हमें अपने आसपास कि घटनाओं का अवलोकन, तथ्य और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर करना चाहिए। इसी के द्वितीय सत्र में विज्ञान संचारिका जीमी सक्सेना और अजिता बाटव ने अंधविश्वास पर आधारित प्रदर्शन और छुपे वैज्ञानिक तथ्यों कि जानकारी प्रयोग करके दी गयी। जिसमें नारियल मे आग निकलना, हवन मे आग, पिलिया का इलाज, भभूत का फोटो से निकलना और अन्य गतिविधियों मे छुपे वैज्ञानिक तथ्यों को बच्चों को बताया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश विज्ञान सभा के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. यूएस शर्मा ने समाज और विज्ञान विषय पर कहा कि हमारे समाज का विकास और विज्ञान, कृषक एवं कृषी व्यवस्था पर पूरी तरह निर्भर है और प्रभावित हुआ है। साथ ही डॉ. शर्मा द्वारा ने कहा कि जितनी मात्रा मे हम मिटटी से तत्वों को लेते है, उतना वापस भी करना समाज के संतुलित विकास के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन विज्ञान सभा से समाज वैज्ञानिक एस आर आजाद द्वारा किया गया।

जागरण Lake सिटी
दैनिक जागरण 21 अगस्त, 2018 www.jagranmp.com/epaper

केरल में आई बाढ़ असंतुलित विकास का परिणाम

• जागरण सिटी रिपोर्टर •

मप्र विज्ञान सभा एवं आंचलिक विज्ञान केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से सोमवार को राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शहर के कई स्कूल व कॉलेज के स्टूडेंट्स के साथ शिक्षक, एवं विज्ञान संचारकों द्वारा वैज्ञानिक नजरियों को आम जन तक पहुंचाने की शपथ ली गई। मप्र के 17 जिलो में एक साथ विज्ञान संचारको के द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस का आयोजन किया गया।

नारियल में आग निकालना वैज्ञानिक तथ्य : इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रोफेसर एवं पूर्व निदेशक इग्नू केएस तिवारी ने अपने उद्‌बोधन में बताया कि केरल में आई बाढ़ भी हम सब के द्वारा किए गए असंतुलित विकास का परिणाम है। हमें अपने आसपास कि घटनाओं का अवलोकन, तथ्य एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर करना चाहिए। द्वितीय सत्र में शिक्षिका विज्ञान संचारिका जीमी सक्सेना एवं अजिता बाटव द्वारा अंध विश्वास पर आधारित प्रदर्शन एवं उनके पीछे छुपे वैज्ञानिक तथ्यों कि जानकारी प्रयोगों द्वारा दी गई, जिसमें नारियल में आग निकलना, हवन में आग, पीलिया का इलाज, भवूत का फोटो से निकलना एवं अन्य गतिविधियों मे छुपे वैज्ञानिक तथ्यों को उजागर किया गया।

समाज का विकास कृषि व्यवस्था पर निर्भर : मप्र विज्ञान सभा के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. यूएस शर्मा द्वारा समाज और विज्ञान विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि हमारे समाज का विकास एवं विज्ञान, कृषक एवं कृषि व्यवस्था पर पूरी तरह निर्भर है एवं प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि जितनी मात्रा में हम मिट्टी से तत्वों को लेते हैं, उतना वापस भी करना समाज के संतुलित विकास के लिए आवश्यक है।

राष्ट्रीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिवस
मध्य प्रदेश विज्ञान सभा

राष्ट्रीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिवस
मध्य प्रदेश विज्ञान सभा

US पत्रिका PLUS CITYLIVE BHOPAL TUESDAY 21/08/2018 { 14

साइंस सेंटर में राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस का आयोजन

फोटो से भभूत और नारियल में आग का जाना विज्ञान

कार्यक्रम में डेमोंस्ट्रेशन के जरिए बताई अंधविश्वासों के पीछे की कहानी

भोपाल ◆ मध्यप्रदेश विज्ञान सभा और आंचलिक विज्ञान केंद्र द्वारा संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत ज्ञान विज्ञान समिति से आशा मिश्रा और समाज वैज्ञानिक श्याम बोहरे, मंगेश कुमार मानकर, हरीशचन्द्र अहिरवार, रंजन कुमार

मौजूद थे। कार्यक्रम में 17 जिलों में एक साथ विज्ञान संचार के द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टीकोण दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पहले सत्र में पूर्व निर्देशक इग्नू के प्रो. केएस तिवारी ने बताया कि केरल मे आई बाढ़ भी हम सब के द्वारा किए गए असंतुलित विकास का परिणाम हैं। हमें अपने आसपास कि घटनाओं का अवलोकन, तथ्य एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर करना चाहिए। द्वितीय सत्र में विज्ञान संचारिका जीमी सक्सेना और अजिता बाटव ने अंध विश्वास पर आधारित प्रदर्शन और उनके पीछे छुपे वैज्ञानिक तथ्यों को पेश किया। इसमें नारियल मे आग निकलना, हवन मे आग, पीलिया का इलाज, भभूत का फोटो से निकलना और अन्य गतिविधियों में छुपे वैज्ञानिक तथ्यों को डेमोंस्ट्रेशन देकर उजागर किया। विज्ञान सभा के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. यूएस शर्मा ने समाज और विज्ञान विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि हमारे समाज का विकास और विज्ञान, कृषक और कृषि व्यवस्था पर निर्भर है। जितनी मात्रा में हम मिट्टी से तत्वों को लेते हैं उतना वापस भी करना समाज के संतुलित विकास के लिए आवश्यक है।

हरिभूमि
14
15
भोपाल, मंगलवार 21 अगस्त 2018
जिंदगी लाइव
भोपाल,

केरल में आई बाढ़ असंतुलित विकास का परिणाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

केरल में आई बाढ़ हम सबके द्वारा किए गए असंतुलित विकास का परिणाम हैं, हमें अपने आसपास की घटनाओं का अवलोकन, तथ्य और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर करना चाहिए। यह कहना है इग्नू के पूर्व निर्देशक केएस तिवारी का। वे सोमवार को आंचलिक विज्ञान केंद्र में मप्र विज्ञान सभा और आंचलिक विज्ञान केंद्र द्वारा आयोजित विज्ञान दृष्टिकोण दिवस में बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में भोपाल के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी, शिक्षक, और विज्ञान संचारकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के समापन में सभी ने वैज्ञानिक नजरियों को आमजन तक पहुंचाने की शपथ ली। यह कार्यक्रम मप्र के 17 जिलों में एक साथ विज्ञान संचारकों के द्वारा आयोजित किया गया।

आंचलिक विज्ञान केंद्र में राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस का आयोजन

नारियल से आग निकलना, हाथ से भभूत निकलना जादू नहीं

कार्यक्रम में विज्ञान संचारिका जीमी सक्सेना और अजिता द्वारा नारियल में आग निकलना, हवन में आग, फोटो से भभूत निकलना और इसी तरह के कई प्रयोग किए और इन प्रयोगों से अंधविश्वास और उनके पीछे छिपे वैज्ञानिक तथ्यों की जानकारी दी। विज्ञान संचारिका ने बताया कि जानकारी के अभाव में इसी तरह के छोटे-छोटे प्रयोगों से ठोंगी बाबा लोगों को मूर्ख बनाते हैं।

समाज का विकास कृषक और कृषि पर निर्भर

मध्य प्रदेश विज्ञान सभा के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. यूएस शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारे समाज का विकास और विज्ञान, कृषक और कृषि व्यवस्था पर पूरी तरह निर्भर है। इस मौके पर डॉ. शर्मा ने बताया कि जितनी मात्रा में हम मिट्टी से तत्वों को लेते हैं, उतना वापस भी करना समाज के संतुलित और विकास के लिए आवश्यक है।

राष्ट्रीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिवस

राज एक्सप्रेस | मंगलवार, 21 अगस्त, 2018 | www.rajexpress.co | 5 | भोपाल

असंतुलित विकास का परिणाम केरल में आई बाढ़

भोपाल। केरल मे आई बाढ़ हम सब के द्वारा किए गए असंतुलित विकास का परिणाम हैं, हमें अपने आसपास कि घटनाओं का अवलोकन, तथ्य और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर करना चाहिए। यह कहना है इग्नू के पूर्व निर्देशक केएस तिवारी का। वे सोमवार को आंचलिक विज्ञान केंद्र में मप्र विज्ञान सभा और आंचलिक विज्ञान केन्द्र द्वारा आयोजित विज्ञान दृष्टिकोण दिवस में बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित रहें। इस अवसर पर भोपाल के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थीए शिक्षक, और विज्ञान संचारकों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के समापन में सभी ने वैज्ञानिक नजरियों को आम जन

आंचलिक विज्ञान केंद्र में राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस का आयोजन

तक पहुँचाने कि सपथ ली। यह कार्यक्रम मप्र के 17 जिलों में एक साथ विज्ञान संचारकों के द्वारा आयोजित किया गया।

नारियल से आग निकलनाए हाथ से भभूत निकलना नहीं कोई जादू- कार्यक्रम में विज्ञान संचारिका जीमी सक्सेना और अजिता द्वारा नारियल मे आग निकलना, हवन मे आग, फोटो से भभूत निकलना और इसी तरह के कई प्रयोग किए और इन प्रयोगों द्वारा अंधविश्वास और उनके पीछे छुपे वैज्ञानिक तथ्यों की जानकारी दी गई। विज्ञान संचारिका ने बताया कि जानकारी के अभाव में इसी तरह के छोटे-छोटे प्रयोगों से ठोगी बाबा लोगों को मूर्ख बनाते हैं।

समाज का विकास कृषक और कृषि पर निर्भर- मध्य प्रदेश विज्ञान सभा के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ यूएस शर्मा ने बताया कि हमारे समाज का विकास और विज्ञान, कृषक और कृषि व्यवस्था पर पूरी तरह निर्भर है। डॉ शर्मा ने बताया कि जितनी मात्रा में हम मिट्टी से तत्वों को लेते है, उतना वापस भी करना समाज के संतुलित विकास के लिए आवश्यक है।

राष्ट्रीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिवस
मध्य प्रदेश विज्ञान सभा

नवदुनिया | भोपाल, मंगलवार 21 अगस्त 2018 | लाइव | अपना शहर 18

नारियल से कैसे निकलती है आग कैसे होता है पीलिया का इलाज?

रीजनल साइंस सेंटर में राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम

भोपाल। नवदुनिया रिपोर्टर

हमें अपने आसपास की घटनाओं का आकलन तथ्य और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर करना चाहिए। मध्यप्रदेश विज्ञान सभा और आंचलिक विज्ञान केंद्र की ओर से रीजनल साइंस सेंटर में राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस के मौके पर अतिथियों ने कुछ ऐसे ही विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर रोज कॉन्वेंट स्कूल, ज्ञान चेतना स्कूल, ज्ञान ज्योति स्कूल और एलनसीटी कॉलेज के एनएसएस समूह से आए 238 स्टूडेंट्स और टीचर्स शामिल हुए। इस मौके पर विज्ञान संचारकों की ओर से बच्चों को वैज्ञानिक नजरियों के बारे में समझाया गया। बच्चों ने विज्ञान की जागरुकता के लिए शपथ ली। मध्य प्रदेश के 17 जिलों में एक साथ विज्ञान संचारकों की ओर से राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस का आयोजन किया गया।

स्टूडेंट्स को किया जागरूक

इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रो. एस तिवारी ने कहा कि केरल मे आई बाढ़ हम सभी के द्वारा पैदा किए गए असंतुलित विकास का परिणाम है। हमें अपने आसपास कि घटनाओं का अवलोकन बेहतर तरीके से करना चाहिए। जिसमें तथ्य एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण शामिल हो। दूसरे सत्र में विज्ञान संचारिका जीमी सक्सेना और अजिता बाटव ने स्टूडेंट्स को अंधविश्वास के प्रति जागरूक करने के लिए कुछ प्रयोग समझाए। प्रदर्शन कर बातों के पीछे छुपी वैज्ञानिक बातें समझाई गईं। प्रयोगों में नारियल में से आग निकलना, हवन में आग, पीलिया का इलाज जैसी गतिविधियों के पीछे छुपे वैज्ञानिक तथ्यों को उजागर किया गया।

रीजनल साइंस सेंटर में विज्ञान के प्रयोग कर अंधविश्वास को दूर करते वैज्ञानिक।

कृषि पर आधारित है विज्ञान

मध्य प्रदेश विज्ञान सभा के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. यूएस शर्मा ने कहा कि हमारे समाज का विकास और विज्ञान कृषि व्यवस्था पर आधारित है। जितनी मात्रा में हम मिटटी से तत्वों को लेते हैं उतना वापस भी करना आवश्यक है। कार्यक्रम में साइंस सेंटर के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर प्रबॉल राय, विज्ञान सभा के समाज वैज्ञानिक एसआर आजाद, भारत ज्ञान विज्ञान समिति की आशा मिश्रा, श्याम बोहरे, मंगेश कुमार मानकर विशेष रूप से मौजूद थे।

सिटी

2 प्रदेश टुडे भोपाल, सोमवार, 20 अगस्त 2018

राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस

भोपाल। मप्र विज्ञान सभा एवं आंचलिक विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को मुख्य वक्ता केएस तिवारी, डॉ. यूएस शर्मा आदि ने संबोधित किया। फोटो: मो. इरफान

city भास्कर

BHOPAL, MONDAY, 20/08/2018 . 18

राष्ट्रीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिवस पर कार्यक्रम आज

सिटी रिपोर्टर | आंचलिक विज्ञान केंद्र एवं मध्यप्रदेश विज्ञान सभा के द्वारा राष्ट्रीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिवस पर सोमवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम सुबह 11 बजे शुरू होगा, जिसमें अलग-अलग सत्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और समाज और विज्ञान पर चर्चा की जाएगी और चमत्कारों के पीछे विज्ञान का प्रदर्शन किया जाएगा।

राष्ट्रीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिवस
मध्य प्रदेश विज्ञान सभा

city भास्कर
BHOPAL, SUNDAY, 19/08/2018 . 24

स्टूडेंट्स ने जाना घटनाओं के पीछे का वैज्ञानिक तथ्य

सिटी रिपोर्टर | मध्यप्रदेश विज्ञान सभा द्वारा एन.' एड. मेरिट कॉन्वेंट स्कूल में विज्ञान चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में 80 स्टूडेंट्स ने हमारे अंध विश्वास से जुड़ी घटनाओं के पीछे छिपे विज्ञान एवं तकनीक को समझा। इस दौरान प्रतिभागियों ने शपथ ली कि हम घटना के पीछे छिपे तर्क एवं विज्ञान को समझेंगे तभी विश्वास करेंगे। राष्ट्रीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिवस के तहत विज्ञान चौपाल का आयोजन किया जा रहा है।

पत्रिका PLUS
भोपाल, 12.08.2018

बच्चों को समझाया विज्ञान का महत्व

भोपाल ● मप्र विज्ञान सभा द्वारा राष्ट्रीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिवस के तहत विज्ञान चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। विज्ञान सभा से विज्ञान संचारक आशीष पारे ने बताया कि अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क द्वारा राष्ट्रीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिवस पुणे के डॉ नरेन्द्र दाभोलकर की पुण्यतिथि 20 अगस्त के दिन मनाया जा रहा है। शनिवार को रोज एंगिल कान्वेन्ट स्कूल में विज्ञान चौपाल का आयोजन किया गया, जहां 30 विद्यार्थी विज्ञान चौपाल में भागीदारी कर विज्ञान गतिविधियों से रूबरू हुए। इस अवसर पर विज्ञान सभा से सुनील धनगर मौजूद थे।

city भास्कर
BHOPAL, TUESDAY, 14/08/2018

मप्र विज्ञान सभा की ओर से किया जा रहा कार्यक्रम

अवैज्ञानिक घटनाओं पर नजरिया बदलने को लगाई विज्ञान चौपाल

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

आम लोगों के बीच अंधविश्वासों पर आधारित घटनाओं पर वैज्ञानिक नजरिये और जागरुकता के लिए मप्र विज्ञान सभा द्वारा विज्ञान चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत सोमवार को भोपाल पब्लिक स्कूल में चौपाल लगाई गई। चौपाल में न्यूज पेपर से कैप बनाने की तकनीक के साथ स्टूडेंट्स ने गणित की कई बारीकियों को समझा। माचिस एवं तीली के जलने की प्रक्रिया में घनाभ के गुणधर्म को

जाना। वहीं दृष्टि भ्रम के आधार पर पिंजरे के अंदर पक्षी को पाकर छात्र-छात्रा अचंभित थे। गतिविधियों के दौरान घटनाओं के पीछे छिपे विज्ञान, तकनीक एवं वैज्ञानिक नजरिये की भी बात रखी गई। विज्ञान संचारक आशीष पारे ने बताया कि अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क द्वारा राष्ट्रीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिवस पुणे के डॉ. नरेन्द्र दाभोलकर की पुण्यतिथि 20 अगस्त के दिन मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पुणे के चिकित्सक डॉ. नरेन्द्र धावोलकर अंधश्रद्धा, अंधविश्वास के खिलाफ वैज्ञानिकता पर बात करने वाले विज्ञान संचारक थे। उनके प्रयास के चलते महाराष्ट्र सरकार के द्वारा अंधश्रद्धा उन्मूलन कानून लागू किया गया।

राष्ट्रीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिवस
मध्य प्रदेश विज्ञान सभा

city भास्कर
BHOPAL WEDNESDAY, 08/08/2018

सिटी एंकर

6 अगस्त को हिरोशिमा, 9 को नागासाकी पर गिराए गए थे बम

मध्य प्रदेश विज्ञान सभा में राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस पर हिरोशिमा-नागासाकी डे की याद में स्टूडेंट्स को बताया-

अमेरिकी वॉर सेक्रेटरी ने क्योटो में हनीमून न मनाया होता तो वहां भी गिरता एटम बम, इसके बदले नागासाकी को चुना था

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने हिरोशिमा और 9 अगस्त को नागासाकी पर एटम बम गिराया था। अमेरिकी हमले की प्लानिंग में पहले नागासाकी का नाम नहीं था। यह बम क्योटो शहर पर गिराया जाना था, लेकिन वॉर सेकेटरी हेनरी स्टिनसन ने यह प्लान बदलवा दिया। वजह थी- स्टिनसन ने पत्नी के साथ क्योटो में हनीमून मनाया था और उनकी अपनी यादें उस शहर से जुड़ी थीं।

ऐसी ही रोचक जानकारियां स्टूडेंट्स को दी गई मध्य प्रदेश विज्ञान सभा द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस पर। हिरोशिमा-नागासाकी डे की याद में स्टूडेंट्स को एटम बम से हुए भयावह नुकसान के बारे में भी बताया गया। इस मौके पर मृतकों को याद करते हुए, अमन-चैन और भाईचारे के गीत गाए गए। कार्यक्रम मे लगभग 80 स्टूडेंट्स और मध्य प्रदेश विज्ञान सभा से सुनील धनगर, सौरभ श्रीवास्तव और अन्य टीचर्स मौजूद थे। मध्य प्रदेश विज्ञान सभा से साइंस कम्युनिकेटर आशीष पारे ने इस भयावह बम दुर्घटना के बारे मे बताया कि आज हिरोशिमा और नागासाकी दोनों रेडियो एक्टिव फ्री शहर हैं, क्योंकि बम जमीन से करीब 100 फीट ऊपर फटे थे। जमीन पर इम्पैक्ट होता तो नुकसान कहीं ज्यादा होता।

लिटिल बॉय ने मचाई थी बड़ी तबाही

लिटिल बॉय का मॉडल

हिरोशिमा पर गिराए गए बम का कोडनेम था लिटिल बॉय, वजन 4000 किलो और लम्बाई 10 फीट थी।

- बमों के कोडनेम थे लिटिल बॉय और फैट मैन
- पहला परमाणु बम 6 अगस्त 1945 को सुबह 8.15 बजे हिरोशिमा पर, दूसरा सिर्फ 9 अगस्त को नागासाकी पर गिराया गया था।
- नागासाकी पर गिराए गए बम का नाम था फैट मैन। यह 4500 किलो वजनी था 11.5 फीट लंबा।

जमीन से 100 फीट ऊपर फटे थे बम

6000 डिग्री तक पहुंच गया था तापमान

10005 किमी/सेकेंड की स्पीड से आंधी चली

10 किलोमीटर तक गहरे गड्ढे बन गए थे

3 लाख लोग मारे गए थे

1 लाख लोगों की मौत बम गिरते ही हो गई थी

2 लाख लोग कैंसर और रेडिएशन से मरे थे

2000 लोग और मारे गए थे महीने बाद आए चक्रवात में

मिशन फेल होता तो सभी अफसर खा लेते सायनाइड

हिरोशिमा पर जो बम गिराया गया उसे ले जाने वाले विमान में सायनाइड की 12 गोलियां रखीं थीं। अगर मिशन फेल होता तो अफसरों को यह गोलियां खाने ऑर्डर थे।

सरेंडर न करते जापान के तो एक और बम गिरता

नागासाकी हमले के 6 दिन बा जापान के राजा हिरोहितो ने अमेरिकी सेना के सामने सरेंड कर दिया। अगर ऐसा नहीं होत अमेरिका 19 अगस्त को एक बम गिराने की प्लानिंग में था।

राष्ट्रीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिवस
मध्य प्रदेश विज्ञान सभा

नवभारत

2 भोपाल, सोमवार, 6 अगस्त, 2018

हिरोशिमा के मृतकों को श्रद्धांजलि आज

भोपाल. म.प्र. विज्ञान सभा द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस के तहत 6 अगस्त को रोज एंगील स्कूल सागोनी में हिरोशिमा दिवस को याद किया जावेगा. म.प्र. विज्ञान सभा से आशीष पारे ने बताया कि अमेरिका द्वारा जापान के दो शहरों हिरोशिमा एवं नागासाकी पर क्रमशः 6 अगस्त एवं 9 अगस्त 1945 को बम गिराये गये थे. इस घटना की जानकारी के साथ मृतकों को श्रद्धांजलि दी जायेगी.

सिटी

8 प्रदेश टुडे भोपाल, सोमवार, 06 अगस्त 2018

हिरोशिमा दिवस : विज्ञान चेतना के साथ संवेदना

भोपाल। मप्र विज्ञान सभा द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस के तहत आज आज रोज रेंगील स्कूली सागोनी में 'हिरोशिमा दिवस' को याद किया गया। मप्र विज्ञान सभा के आशीष पारे ने बताया कि अमेरिका द्वारा जापान के दो शहर हिरोशिमा व नागासाकी पर 6 अगस्त और 9 अगस्त 1945 को बम गिराए गए थे। इस घटना में 3 लाख लोगों की मौत हुई थी। आज इस घटना की जानकारी के साथ मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। बच्चों को बताया गया कि इस घटना के बाद भी जापान ने जिस तेजी से विकास किया, वह हर देश के लिए एक संदेश है।

राष्ट्रीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिवस
मध्य प्रदेश विज्ञान सभा

नवभारत 17 जुलाई 2018

कुरीतियों से बचाता है विज्ञान

भोपाल, 16 जुलाई. मध्यप्रदेश विज्ञान सभा द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस की कड़ी में ज्ञान-विज्ञान परिसर सागोनी कलां में दो दिवसीय कार्यशाला, विज्ञान शिक्षक एवं विज्ञान संचारकों के लिये आयोजित की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज में बढ़ते अंध विश्वास, कुरीतियों एवं गलत परम्पराओं से आमजन को बचाने के लिये आमजन में वैज्ञानिक समझ विकसित करना था. कार्यशाला में मध्यप्रदेश के 17 जिलों से 57 विज्ञान शिक्षक एवं विज्ञान संचारकों द्वारा भागीदारी की गई.

विज्ञान सभा द्वारा कार्यशाला का आयोजन

प्रथम दिवस मध्यप्रदेश विज्ञान सभा के महासचिव एस.आर. आजाद ने कार्यशाला के उद्देश्य की जानकारी देते हुये बताया कि खगोल विज्ञान उत्सव का संस्था द्वारा प्रतिवर्ष आयोजन किया जाता है. इसका मुख्य उद्देश्य प्रदेश भर के स्कूली बच्चों को हमारे ब्रह्मांड एवं उनसे जुड़ी खोजों के बारे में जानकारी प्रदान करना है तथा विज्ञान गतिविधियों से जोड़ना है.

खगोल उत्सव को आगामी समय में वृहद रूप में करने पर जोर दिया जाये. इस अवसर पर विज्ञान सभा के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. यू.एस. शर्मा द्वारा अपने वक्तव्य में आसपास के परिवेश, घटनाओं को वैज्ञानिक नजरिये से देखने की बात कही. सेवानिवृत्त विज्ञान शिक्षा अधिकारी वी. रायकगावकर द्वारा अपने व्याख्यान में बताया गया कि हमारे देश के वैज्ञानिकों की सोच और उनके कार्य करने की ललक को ध्यान में रखकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है. हमारे देश के वैज्ञानिक डॉ. अब्दुल कलाम व्यक्तित्व एवं कार्य करने के तरीके की जानकारी देते हुये उनके द्वारा समाज में और अब्दुल कलाम बनाने की बात कही गई. विज्ञान संचारक डॉ. विभु मिश्रा उमरिया द्वारा अपने प्रयोगिक अवलोकन प्रस्तुति देते हुये शून्य छाया, डे टाइम सोलर गतिविधियों को बताते हुये सूर्य की प्रकाश ऊर्जा पर अनेक प्रयोग बताये गये. जिसमें सन कार्ड का डिमांस्ट्रेशन से प्रतिभागियों को सभी धर्मों में धर्म चिन्हों की छाया प्रतिबिम्ब एक से प्राप्त होने पर बताया गया कि सभी धर्म एक ही प्रकार की सीख देते हैं, जिसमें मानव विकास ही छिपा हुआ है. द्वितीय दिवस प्रथम सत्र में विज्ञान संचारक दीपक सोनी जिला रायसेन द्वारा खगोल विज्ञान के प्रादर्शों की प्रस्तुति करते हुये सूरज, चंद्रमा एवं पृथ्वी की गतियों की जानकारी देते हुये साल भर में होने वाले सभी ग्रहणों की जानकारी दी गई.

द्वितीय सत्र में ऑल इंडिया पीपुल्स नेटवर्क हैदराबाद से आये विज्ञान संचारक टी. रमेश द्वारा अंध विश्वास आधारित घटनाओं का प्रदर्शन किया गया तथा उनके पीछे छुपे विज्ञान एवं दृष्टिभ्रम की जानकारी देते हुये वैज्ञानिक तथ्यों का खुलासा किया गया. उनके द्वारा अपने प्रदर्शन में मुंह से शिवलिंग निकाला गया. आग मुंह के अंदर गई, प्रतिभागी आश्चर्यचकित थे परंतु वैज्ञानिक तथ्य से पूर्ण तथा संतुष्ट थे. समापन अवसर पर महासचिव एआईपीएसएन एवं महासचिव म.प्र. विज्ञान सभा द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये. कार्यक्रम समन्वयक आशीष पारे द्वारा स्रोत समूह एवं प्रतिभागियों को सहयोग के लिये धन्यवाद दिया गया.

राष्ट्रीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिवस
मध्य प्रदेश विज्ञान सभा

दैनिक भास्कर 17 जुलाई 2018

मप्र विज्ञान सभा की वर्कशॉप में पहुंचे 17 जिलों के विज्ञान शिक्षक

समाज में फैले अंधविश्वास के बताए वैज्ञानिक रहस्य

सिटी रिपोर्टर | मप्र विज्ञान सभा द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दृष्टिकोण दिवस की कड़ी में ज्ञान-विज्ञान परिसर सागौनी कला में दो दिवसीय कार्यशाला विज्ञान विषय के शिक्षक एवं संचारकों के लिए आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य समाज में अंध विश्वास, कुरीतियों एवं गलत परंपराओं से लोगों को बचाने और वैज्ञानिक समझ विकसित करना था। कार्यशाला में प्रदेश के 17 जिलों से 57 विज्ञान शिक्षक एवं विज्ञान संचारकों ने हिस्सा लिया।

पहले दिन की कार्यशाला में मप्र विज्ञान सभा के महासचिव एसआर आजाद ने बताया खगोल विज्ञान उत्सव का संस्था द्वारा किए गए इस आयोजन का उद्देश्य स्कूली बच्चों को ब्रह्मांड से जुड़ी खोजों के बारे में जानकारी देना है। रिटायर्ड विज्ञान शिक्षा अधिकारी वी रायगांवकर ने बताया गया कि देश के वैज्ञानिकों की सोच और उनके

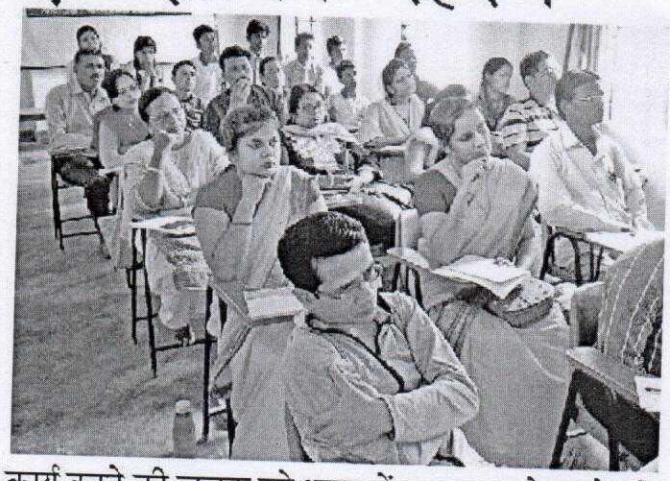

कार्य करने की ललक को ध्यान में रखकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। दूसरे सत्र में आल इंडिया पीपुल्स साइंस नेटवर्क हैदराबाद से आए विज्ञान संचारक टी रमेश द्वारा अंध विश्वास पर आधारित घटनाओं की जानकारी दी।

राष्ट्रीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिवस
मध्य प्रदेश विज्ञान सभा

Run by: Sainanjali Samiti - 7368
Dream it,
NATIONAL SCIENCE
TAMPER DAY
20 AUG. 2018
VIDYASHILP ACADEMY
HR. SE. SCHOOL
REWA

Run by: Sainanjali Samiti - 7368 School Code: 322400 Affl. 32/2015/NEW0244
Dream it, Believe it, Achieve it !!!
Science is a beautiful gift to humanity; we should not distort
A GOOD DECISION IS BASED ON KNOWLEDGE AND NOT ON NUMBER
Stop Superstition
Superstition is the death of a thinking mind

Run by: Sainanjali Samiti - 7368 School Code: 322400 Affl. 32/2015/NEW0244
Dream it, Believe it, Achieve it !!!
Science is a beautiful gift to humanity; we should not distort
A GOOD DECISION IS BASED ON KNOWLEDGE AND NOT ON NUMBER
Stop Superstition
Superstition is the death of a thinking mind

SLOGAN
STOP
FALSE
BELIEVING
STOP
SUPER
STATION
NATIONAL SCIENCE
TAMPER DAY
20 AUG. 2018
VIDYASHILP ACADEMY
HR. SE. SCHOOL
REWA
Vidya shilp academy
+अंधविश्वास
बंद करो +
Vidya shilp academy
+Science in the
part of life +

SLOGAN
STOP
FALSE
BELIEVING
STOP
SUPER
STATION
NATIONAL SCIENCE
TAMPER DAY
20 AUG. 2018
VIDYASHILP ACADEMY
HR. SE. SCHOOL
REWA
Vidya shilp academy
+अंधविश्वास
बंद करो +
Vidya shilp academy
+Science in the
part of life +

A GOOD DECISION
IS BASED ON

School Code: 322400
STOP
SUPER
STATION
STOP
FALSE
BELIEVING
Vidya shilp academy
+ अंधविश्वास
बंद करो +
Vidya shilp academy
+ Science in the
part of life +
STOP
FALSE
BELIEVING
NATIONAL SCIENCE
TAMPER DAY
20 AUG. 2018
VIDYASHILP ACADEMY
HR. SE. SCHOOL
REWA

STOP SUPER STATION
NATIONAL SCIENCE TAMPER DAY
20 AUG. 2018
VIDYASHILP ACADEMY
HR. SE. SCHOOL
REWA
Vidya Shilp academy
+अंधविश्वास बंद करो+
Vidya shilp academy
+Science is the part of life+
STOP FALSE BELIEVING

SUPERSTITION IS THE POISON OF MIND

VIDYASHILP ACADEMY
English Medium School

VIDYASHILP ACADEMY
English Medium School

राष्ट्रीय विज्ञान
दिवस